इंडियन मुस्लिम्स फॉर सेक्युलर डेमोक्रेसी (आई एम एस डी)

घोषणा-पत्र

हम भारतीय मुसलमान हैं.

हम संयुक्त राष्ट्र की सार्वभौमिक मानव अधिकार घोषणा (१९४८) और भारतीय संविधान में प्रतिष्ठापित सिद्धांतों के पूरी तरह हामी हैं.

हम मानते हैं कि उपरोक्त सिद्धांत इस्लामी तालीम की बुनियादी उसूलों के अनुरूप हैं.

संसार के सारे धर्मों की तरह इस्लाम भी बहुशाखीय है. हम इस्लाम के उस सदियों पुराने उदार पक्ष के समर्थक हैं जिसने क़ानून और आचरण द्वारा अल्पसंख्यकों के हितों की निगरानी की.

हमारी नज़र में हर वह इंसान मुसलमान है जो अपने आप को मुसलमान मानता है. यह फैसला सुनाने का हक़ किसी को नहीं है कि कौन मुसलमान है, कौन नहीं.

खासतौर पर

हमारा मानना है कि मज़हब के मामलों को राज्य के मामलों से अलग रखना चाहिए.

जीवन के हर पहलू में हम लैंगिक समानता और न्याय के पक्षधर हैं.

हम धार्मिक, जातीय, छेत्रिय, लैंगिक, भाषाई तथा यौनिकता के स्तर पर भेद-भाव के बिना अल्पसंख्यकों, अक्षम और कमज़ोर तबकों के अधिकारों की रक्षा के समर्थक हैं.

हम समवैचारिक संस्थाओं तथा व्यक्तियों के साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिल कर काम करना चाहते हैं.

हमारा विश्वास है कि ज़्यादातर भारतीय मुसलमान हमारे जैसे विचारों वाले हैं. उन्हें अबतक अपनी सोच को व्यक्त करने के लिए उपयुक्त मंच नहीं मिला. हमारे इस मंच पर उन सबका स्वागत है.

इस सच पर हमें गर्व है कि भारत के ज़्यादातर लोग विविधता, अनेकता में एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के आदर्शों पर चलते हैं.

हमारा उद्देश्य

आई एम एस डी के सदस्य के तौर पर हमारी पहली ज़िम्मेदारी मुस्लिम समाज के अंदरूनी समस्याओं की ओर ध्यान देना है.

मज़हबी और जातीय सर्वोच्चता, अलगाववाद, कट्टरपन, अनुदारता, आतंकवाद तथा उग्रवाद के दुष्परिणामों से मुस्लिम समाज को सचेत करना.

स्त्री-पुरुष समानता और न्याय के उसूलों को बढ़ावा देना.

इस्लाम के पारंपरिक उदार पक्ष को नई ताजगी देना और अनेकता में एकता के उसूलों में विश्वास जगाना.

आइये, इन उद्देश्यों को पूरा करने में हमारे साथी बनें.